Raj Express (Indore), 25th January 2026, Page – 03

उपलब्धि

इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम को पहला, आईआईटी इंदौर की टीम को दूसरा स्थान

आइडिया को बदला जाता है मजबूत, असल दुनिया के सिस्टम में

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में विश्वकर्मा अवॉर्ड्स का समापन शनिवार को हुआ। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा यह हार्डवेयर केंद्रित चैलेंज उस तरह के डीप-टेक इनोवेशन का उदाहरण है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं, जहां आइडिया को मजबूत, असल दुनिया के सिस्टम में बदला जाता है। हजार से ज़्यादा टीमों से लेकर कुछ चुनिंदा फायनलिस्ट तक का यह सफर इस प्रोसेस की सख्ती और पूरे क्षेत्र के युवा इनोवेटर्स की प्रतिबद्धता को दिखाता है। आईआईटी इंदौर में, दृढ़ता से हमारा यह मानना है कि इंजीनियरिंग शिक्षा का भविष्य छात्रों को ऐसे आइडिया को इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद करने में है जो असल दुनिया और समाज की चुनौतियों

का सामना करें। फायनलिस्ट टीमों ने सिस्टम-लेवल की ज़बरदस्त सोच दिखाई है। ऐसी पहल इंडस्ट्री के लिए तैयार टैलेंट बनाने और समाज की ज़रूरतों को पूरा करने वाली टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। फायनलिस्ट टीमों को आईआईटी इंदौर में समर्पित प्रोटोटाइपिंग सहायता और गहन टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग में हिस्सा लेने का मौका मिला है, जिसमें प्रोटोटाइप को बेहतर बनाने, पिच डेवलप करने और प्रेजेंटेशन की तैयारी पर फोकस किया गया है।

वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप किए पेश

मेकर भवन फाउंडेशन की ओर से आयोजित समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कनाकिया, प्रोफेसर सुहास जोशी और सीईओ गौतम खन्ना उपस्थित थे। हार्डवेयर पर फोकस वाले चैलेंज के तौर पर डिजाइन किए गए यह अवॉर्ड्स छात्रों के इनोवेशन आइडिया को असल दुनिया में लागू करने के लिए बनाए गए हैं। फायनल प्रदर्शन में, शॉर्टलिस्ट की गई टीमों ने हीलटेक, स्मार्ट मोबिलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्किंग हार्डवेयर प्रोटोटाइप पेश किए, जिसमें एआई को स्टैंडअलोन सॉफ्टवेयर लेयर के तौर पर रखने के बजाय सीधे फिजिकल सिस्टम में एम्बेड करने पर ज़ोर दिया गया।

एक्वालूप ने दूसरा स्थान हासिल किया

इंटेलिजेंट मशीन श्रेणी में, आईआईटी बॉम्बे की टीम एडेप्टिव मॉड्यूलर आर्म्स ने पहला पुरस्कार और आईआईटी इंदौर की टीम एक्वालूप ने दूसरा स्थान हासिल किया। हीलटेक श्रेणी में आईआईटी-मंडी की टीम फ्लेक्सोगियर को दूसरा पुरस्कार दिया गया। डॉ. कनाकिया ने कहा, डिस्प्ले पर दिखाए गए हार्डवेयर प्रोटोटाइप की क्वालिटी एप्लाइड इंजीनियरिंग में छात्रों की मजबूत नींव और ऐसे सॉल्यूशंस बनाने की सोच को दिखाती है जिन्हें इस्तेमाल किया जा सके। गौतम खन्ना ने कहा हार्डवेयर फर्स्ट सिस्टम के साथ काम करने का मतलब था छात्रों को असली तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा।